e-Gyan

MAHARISHI WORLD

Monthly Newsletter of Maharishi Organisation – India

महर्षि संस्थान भारत का मासिक सूचना पत्र

Invest in Education, Empower the Future



Volume 208 | **Edition** September 2026 | **Website** www.e-gyaan.net



संपादकीय

आनंद का मार्ग

ब्रह्मचारी गिरीश जी
अध्यक्ष, महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह

'महर्षि जी भीतर की शांति का मार्ग कैसे खोजें?' शिष्य यह प्रश्न प्रायः परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी से पूछा करते थे। धीरे–धीरे उन्होंने एक और प्रश्न पूछना प्रारंभ किया–'जिस शक्ति को मैं बाहर खोज रहा हूँ, क्या उसका कोई अंश मेरे भीतर भी है?' यहीं से मनुष्य की यात्रा बाहर से भीतर की ओर मुड़ती है। वेदों और उपनिषदों की चिंतन परंपरा इसी भीतर की यात्रा को महत्व देती है। वह कहती है, संसार की हर वस्तु परिवर्तित हो रही है। आज जो सुंदर है, कल उसका रूप परिवर्तित हो जाएगा। आज जो सुख दे रहा है, वह सदैव सुख नहीं देगा। धन, पद, प्रतिष्ठा, शरीर, संबंध और परिस्थितियाँ, सब परिवर्तनशील हैं। तो फिर स्थायी सुख कहाँ है? इसका उत्तर संसार छोड़ देने में नहीं है। जीवन से भागना कोई समाधान नहीं। मनुष्य को भोजन चाहिए, घर चाहिए, परिवार चाहिए, धन और सम्मान भी चाहिए। इन आवश्यकताओं को नकारा नहीं जा सकता। समस्या आवश्यकताओं में नहीं, हमारे ऊपर उनके हावी हो जाने में है। पैसा अर्जित करना गलत नहीं है, किंतु पैसे को जीवन का उद्देश्य बना लेना भीतर एक ऐसी भूख को जन्म दे देता है, जिसे कोई संपत्ति शांत नहीं कर सकती। पद पाना गलत नहीं, किंतु पद जाने पर स्वयं को समाप्त मान लेना खतरनाक है। प्रसिद्धी अच्छी लग सकती है, किंतु अपनी प्रसन्नता को दूसरों की प्रशंसा का आसक्त बना देना मनुष्य को भीतर से कमजोर कर देता है। यहीं वेदों की एक सरल सीख सामने आती है– संसार में रहो, किंतु संसार को अपने भीतर मत बसने दो। इसे ही अनासक्ति भाव कहा गया है। अनासक्ति का अर्थ जिम्मेदारियों से भागना नहीं है। इसका अर्थ है, जो कार्य हमारे सामने है, उसे पूरी निष्ठा से करना, किंतु उसके परिणाम को अपनी पूरी प्रसन्नता का आधार न बना लेना। याद रखिए, कर्म हमारे हाथ में है, हर परिणाम नहीं। आज के जीवन में यह बात संभवतः पहले से अधिक आवश्यक है। हम निरंतर तुलना कर रहे हैं, किसकी नौकरी अच्छी है, किसका घर बड़ा है, किसके पास अधिक पैसा है, कौन अधिक लोकप्रिय है? परिणाम? असंतोष बढ़ता जाता है। वेदों की दृष्टि कहती है कि बाहरी जीवन को व्यवस्थित करने के साथ भीतर के मन को समझना भी आवश्यक है। इसीलिए जीवन में ज्ञान और कर्म, दोनों चाहिए। मात्र भौतिक सुखों के पीछे भागते



रहना हमें भीतर से खाली कर सकता है, किंतु संसार से पूरी तरह दूर हो जाना जीवन की जिम्मेदारियों से भागना है। सही मार्ग दोनों के बीच संतुलन का है। हमें यह जानने की आवश्यकता है कि विश्व को परिवर्तित करने की हमारी क्षमता सीमित हो सकती है, किंतु अपने भीतर देखने की यात्रा सदैव हमारे हाथ में है। वेदों की यह सीख आज अधिक प्रासंगिक है। बाहर के संसार को जीतने से पहले अपने भीतर के संसार को पहचानिए। अगर सभी आनंद की खोज कर रहे हैं, तो लोग एक–दूसरे को इतना दुःख क्यों दे रहे हैं? ऐसा नहीं है कि पराये ही दुःख देते हैं, अपने भी देते हैं। अपने ही अधिक दुःख देते हैं। कभी गणना की है, मित्र कितना दुःख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुःख देंगे, स्वाभाविक है, किंतु जो कहते हैं कि तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुःख दिया, इसकी गणना कर रखी है? अगर प्रत्येक व्यक्ति दुःख दे रहा है, तो यह एक ही बात का प्रमाण है कि प्रत्येक व्यक्ति दुःख से भरा है। हम वही तो देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है, जो हमारे भीतर भरा है। नीम के पत्ते अगर कड़वे होते हैं, तो इसी कारण कि कड़वापन उसके भीतर बह रहा है और आम अगर मीठा है, तो इसी कारण कि अमीरस उसके भीतर बह रहा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुःख मिलता है, क्योंकि भीतर हमारे कड़वाहट है। हम लाख कहें कि हम प्रेम करते हैं, किंतु प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोज रहे हैं। अगर आप सुख चाहते हो, तो कोई भी तो बाधा नहीं है, सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों ओर उपस्थित है। हम सभी ऐसे हैं जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे खड़े हो कहें– मैं प्यासा हूँ। झुको और पान करो। गंगा सदा सामने बहती है। आनंद हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। हम जिस भी पल तय कर लेंगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जायेंगे। यह हमारे रोएँ–रोएँ में समाया हुआ है। देरी का कोई कारण नहीं है। इसकी अनुभूति का सरल उपाय है – परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी द्व ारा प्रतिपादित भावातीत ध्यान का प्रतिदिन प्रातः एवं संध्या के समय 15 से 20 मिनट का नियमित अभ्यास क्योंकि 'जीवन आनंद है'।





Maharishi Regional Cultural Celebration
Haridwar Region held with Grandeur at Bareilly



With blessings from Shri Gurudev & His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji and active & dynamic guidance of Hon'ble Chairman MVM Schools Group, Brahmachari Girishi Ji, Maharishi Regional Cultural Celebration of Haridwar Region was successfully organised at Maharishi Vidya Mandir Senior Secondary School, Bareilly, from 24 to 26 August 2026, with enthusiastic participation from 28 MVM schools of the Haridwar Region.

The three-day celebration provided a vibrant and inspiring platform for students to showcase their talents and abilities while fostering Indian culture, spirituality, creativity, knowledge, and intellectual excellence.



Each day of the celebration commenced with Shri Guru Parampara Pujan, Pranayam and group practice of Transcendental Meditation (TM), creating an atmosphere of peace, positivity, and inspiration for all participants.

The event was conducted under the guidance of National Representative Dr. Prakash Chandra Joshi, Executive Director, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, and the able leadership of Mr. R. L. Singh, Principal, Maharishi Vidya Mandir, Bareilly.

A Vibrant Showcase of Talent -



Students enthusiastically participated in 29 Junior and Senior category events and 14 Sub-Junior category events, covering a diverse range of cultural, literary, spiritual, artistic, and musical disciplines.

The competitions included online Hindi, English and Sanskrit debates, online Quiz, online On-the-Spot painting, Science and Mathematics exhibitions, group and solo dance, group and solo





song, fancy dress, Shri Ramcharitmanas and Bhagavad Gita recitation, Yogasan, Yogic Flying, classical music, orchestra and several other activities.

The wide range of competitions encouraged students to explore and express their abilities while developing confidence, creativity, discipline, and an appreciation for India's rich cultural and knowledge traditions.

Grand Finale and Felicitation -



The three-day celebration concluded with a grand prize distribution and felicitation ceremony. Winners and outstanding participants were honored for their achievements. Judges, coordinators, volunteers, and media representatives were also felicitated in recognition of their valuable contribution for the successful conduct of the event.

The awards and felicitation were presented by Dr. Prakash Chandra Joshi, National Representative and Executive Director, Maharishi Vidya Mandir Schools Group. He announced that the teams standing 1st in this celebraiton, will participate in Maharishi National Cultural Celebration 2026 to be held at Bhopal from 24 to 26 October 2026.





Celebrating Talent, Culture and Knowledge -

MRCC-2026 was a memorable celebration that brought together students and educators in the spirit of knowledge, creativity, culture, and Maharishi Ji's vision of developing higher states of consciousness through education. The event successfully highlighted the immense talent of students and reinforced the importance of preserving and promoting India's rich cultural and knowledge heritage among the younger generation. On the completion of the celebration, the National Anthem was chanted enthusiastically by all present.

Jai Guru Dev, Jai Maharishi Ji

Photographs of MRCC Haridwar Region















महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक उत्सव भोपाल रीजन

दिनांकः 07 से 09 सितंबर 2026



महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक महोत्सव का त्रिदिवसीय आयोजन दिनांक 07 से 09 सितंबर 2026 तक महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय, अयोध्या नगर, भोपाल में अत्यंत उत्साहपूर्ण, गरिमामय एवं सांस्कृतिक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

यह सम्पूर्ण आयोजन परम पूज्य श्री गुरुदेव एवं महर्षि महेश योगी जी के दैवीय आशीर्वाद तथा महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश जी की प्रेरणादायी छत्रछाया एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की भावना ने सम्पूर्ण आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक, सांस्कृतिक, कलात्मक, संगीत एवं योग संबंधी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट मंच प्राप्त हुआ।

प्रथम दिवस - 07 सितंबर 2026 :



महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक उत्सव के प्रथम दिवस का शुभारंभ श्री गुरु परम्परा पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन, वेद पाठ, सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की मनोहारी प्रस्तुतियों ने वातावरण को आध्यात्मिक एवं गरिमामय पूर्ण बना दिया।

इस अवसर पर महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि ''सांस्कृतिक महोत्सव केवल कला, संगीत, नृत्य और प्रतिभा के प्रदर्शन का अवसर नहीं, अपितु यह हमारी संस्कृति, संस्कार और सृजनात्मकता को अभिव्यक्त करने का उत्सव है। आप सभी अपनी प्रतिभा को पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करें और यह स्मरण रखें कि सच्ची सफलता केवल पुरस्कार प्राप्त करने में नहीं, बल्कि पूरे मन से अपना सर्वश्रेष्ठ देने में है। जय–पराजय से ऊपर उठकर एक–दूसरे की प्रतिभा का सम्मान करें, टीम भावना

के साथ आगे बढ़ें और अपनी भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का संकल्प लें एवं साथ ही प्रतिदिन प्रातः एवं संध्या 15–20 मिनिट भावातीत ध्यान का अभ्यास नियमित रूप से करें।''



इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रतिनिधि श्री व्ही. आर. खरे, निदेशक, संचार एवं जनसम्पर्क, महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह, श्रीमती आर्या नंदकुमार, श्री राम विनोद सिंह गौर एवं श्री आर. एस. पटवारी सहित अन्य गणामान्य अतिथियों तथा भोपाल स्थित महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों के प्राचार्यगण उपस्थिति थे। अतिथियों एवं प्राचार्यगणों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

प्रथम सत्र में गणित प्रदर्शनी, विज्ञान प्रदर्शनी एवं ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, विषयगत ज्ञान एवं बौद्धिक क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

दोपहर के सत्र में यौगिक फ्लाइंग एवं योगासन की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें विद्यार्थियों ने अनुशासन, एकाग्रता एवं आत्मविश्वास के साथ अपनी योग प्रतिभा का प्रदर्शन किया।





इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत समूह नृत्य एवं एकल नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। लोटस, मैरीगोल्ड, जूनियर एवं सीनियर समूह के विद्यार्थियों ने उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं।

द्वितीय दिवस- 08 सितंबर 2026

दिवस का शुभारंभ ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के अंतिम चरण से हुआ। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी बौद्धिक क्षमता एवं सामान्य ज्ञान का परिचय दिया।

इसके पश्चात संस्कृत वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषाओं में अपने विचारों को प्रभावशाली एवं आत्मविश्वासपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया।

इसके बाद श्रीमद्भगवद्गीता एवं रामचरितमानस पाठ की मनोहारी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की। लोटस, मैरीगोल्ड, जूनियर एवं सीनियर समूह के विद्यार्थियों ने श्रद्धा, अनुशासन एवं आत्मविश्वास के साथ सहभागिता की।

समानांतर रूप से ऑन–द–स्पॉट पेंटिंग एवं ड्रॉइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी

कल्पनाशीलता, कलात्मक प्रतिभा एवं रचनात्मक सोच का सुंदर प्रदर्शन किया।

इसके साथ ही ऑर्केस्ट्रा एवं विभिन्न संगीत प्रतियोगिताओं ने पूरे वातावरण को मधुर एवं संगीतमय बना दिया। समूह गीत एवं एकल गीत प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने भावपूर्ण एवं सुमधुर प्रस्तुतियाँ दीं।

तृतीय एवं पूर्णता दिवस -09 सितंबर 2026

महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक उत्सव के तृतीय एवं अंतिम दिवस का आयोजन अत्यंत हर्ष, उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री व्ही. आर. खरे ने विद्यार्थियों से कहा कि ''आपका हर प्रयास आपके व्यक्तित्व को निखारता है और आपके भविष्य की नींव को मजबूत करता है। आप सभी ने मंच पर पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जो अत्यंत प्रशंसनीय है। मेरी शुभकामनाएँ हैं कि आप सभी अपनी प्रतिभा से विद्यालय, परिवार और राष्ट्र का गौरव बढ़ाएँ तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता की ओर निरंतर अग्रसर हों।''

पूर्णता दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती स्मिता बलानी, समस्त प्राचार्यगण, शिक्षकगण, निर्णायक मंडल, आयोजन समिति, तकनीकी टीम तथा सभी सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।











अंत में सभी उपस्थित अतिथियों, प्राचार्यगण, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने सम्मानपूर्वक राष्ट्रगान में सहभागिता की। राष्ट्रगान के साथ महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक उत्सव का यह त्रिदिवसीय आयोजन भव्यता, सफलता एवं गरिमा के साथ पूर्ण हुआ।



महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक उत्सव जबलपुर रीजन

दिनांक: 10 से 12 सितंबर 2026

श्रीगुरुदेव एवं महर्षि महेश योगी जी की दैवीय कृपा तथा महर्षि शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश जी के मार्गदर्शन में त्रिदिवसीय महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक महोत्सव 2026 का भव्य एवं गरिमामय आयोजन 10 से 12 सितंबर 2026 तक महर्षि विद्या मंदिर, नेपियर टाउन, जबलपुर में अत्यंत उत्साह, उल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।



इस भव्य सांस्कृतिक महोत्सव में जबलपुर रीजन के 44 महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक, रचनात्मक, शैक्षणिक एवं योग संबंधी विधाओं में अपनी बहुआयामी प्रतिभा, आत्मविश्वास, सृजनात्मकता एवं उत्कृष्ट तैयारी का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस क्षेत्रीय सांस्कृतिक महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा सशक्त मंच प्रदान करना है, जहाँ वे अपनी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने के साथ–साथ भारतीय संस्कृति, परंपरा, साहित्य, संगीत, नृत्य, अध्यात्म, योग तथा आधुनिक ज्ञान–विज्ञान के विविध आयामों से जुड़ सकें।



महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक महोत्सव 2026 में मुख्य अतिथि श्री मनीष सिन्हा, अपर निदेशक, वित्त एवं नेशनल रिप्रेजेंटेटिव, भोपाल तथा विशिष्ट अतिथि, श्री अरविंद सिंह राजपूत, सलाहकार, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के साथ–साथ श्री राजेश नरूला, प्राचार्य, महर्षि विद्या मंदिर, नर्मदा रोड़, श्रीमती प्रियंका पांडे, प्राचार्य, महर्षि विद्या मंदिर, विजयनगर, श्रीमती अनामिका भट्टाचार्य, इंचार्ज प्रिंसिपल, महर्षि किड्स होम, श्रीमती अंजना चौधरी, इंचार्ज प्रिंसिपल, महर्षि विद्या मंदिर, शास्त्री नगर तथा श्रीमती अनुश्री नेमा, प्राचार्य, महर्षि विद्या मंदिर, मदन महल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

महर्षि विद्या मंदिर, नेपियर टाउन, जबलपुर के प्राचार्य श्री निलेश कुमार पांडे एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री राहुल कुमार जैन सहित समस्त शिक्षक एवं कर्मचारीगणों ने अतिथियों, प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं विभिन्न विद्यालयों से आए प्रतिनिधियों का आत्मीय स्वागत किया तथा आयोजन को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तीन दिवसीय आयोजन का समग्र स्वरूप-

महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक महोत्सव 2026 का शुभारंभ 10 सितंबर 2026 को भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। गुरु परम्परा पूजन एवं दीप प्रज्वलन के माध्यम से कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक गरिमा एवं सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। आयोजक विद्यालय के प्राचार्य श्री निलेश कुमार पांडे ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में सभी अतिथियों, प्रतिभागी विद्यालयों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक समारोह केवल प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, संस्कृति, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास को एक मंच पर अभिव्यक्त करने का उत्सव है।

इस त्रिदिवसीय महोत्सव में विद्यार्थियों के लिए विविध एवं बहुआयामी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ऑन–द–स्पॉट पेंटिंग, क्विज कॉम्पीटिशन, समूह गायन, एकल गायन, हिंदी, अंग्रेजी एवं संस्कृत वाद–विवाद जैसी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, तार्किक क्षमता, संगीत प्रतिभा, अभिव्यक्ति कौशल, लय–ताल, भाव एवं मंचीय आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।





सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों के साथ–साथ विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का भी अवसर मिला। विज्ञान एवं गणित प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं विषयगत समझ का प्रदर्शन किया। वहीं योगासन एवं यौगिक फ्लाइंग के माध्यम से विद्यार्थियों ने योग, अनुशासन, एकाग्रता एवं शारीरिक संतुलन का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों एवं प्रतियोगिताओं का कुशल, प्रभावशाली एवं गरिमामय मंच संचालन श्रीमती शालिनी शर्मा, श्रीमती अल्पना श्रीवास्तव, श्रीमती अमिता शर्मा एवं सुश्री सताक्षी सोनी द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति एवं उत्कृष्ट समन्वय से पूरे आयोजन को जीवंत एवं आकर्षक बनाए रखा।

कला से लेकर संगीत एवं नृत्य तक, साहित्य से लेकर वाद–विवाद तक, भारतीय ज्ञान परंपरा से लेकर योग तक तथा विज्ञान एवं गणित से लेकर रचनात्मक प्रस्तुतियों तक महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक महोत्सव 2026 ने विद्यार्थियों की प्रतिभा के प्रत्येक आयाम को मंच प्रदान किया।

अंत में सभी उपस्थितगणों द्वारा उत्साहपूर्वक राष्ट्रगान के गायन के साथ समारोह का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

महर्षि संस्थान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन



समस्त महर्षि संस्थानों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन दिनांक 04 सितम्बर 2026 को बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। केन्द्रीय स्तर पर यह भोपाल में स्थित स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम में संपन्न हुआ। महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी के नेतृत्व में भगवान श्रीकृष्ण के बाल गोपाल रूप की पूर्ण विधि-विधान के साथ पूजा की गई।

इस अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि ''हमारे वैदिक संनातन धर्म में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु जी के आठवें अवतार के रूप में श्रीकृष्ण जी ने जन्म लिया था। इस शुभ अवसर पर लड्डू गोपाल एवं शालिग्राम की विशेष पूजा की जाती है एवं उनका अभिषेक किया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल गोपाल रूप की श्रद्धापूर्वक पूजा करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है और व्यक्ति की सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। ''

इस जन्माष्टमी उत्सव में महर्षि संस्थानों के सभी सदस्यों ने भाग लिया और साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने इस कार्यक्रम को ***www.ramrajtv.in*** **और** ***Ramrajtv YouTube*** चैनल के माध्यम से ऑनलाईन भी देखा।





महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालयों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का भव्य आयोजन

महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। वैदिक परंपरा का निर्वहन करते हुये कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक गुरु परंपरा पूजन व दीप प्रज्वलन से किया गया। उसके पश्चात श्रीकृष्ण लीला का आयोजन किया गया। जिसमें नन्हे मुन्ने बच्चे श्रीकृष्ण बनकर आये। श्रीकृष्ण लीला में श्रीकृष्ण का जन्म, माखन चोरी, कालिया वध, इंद्र का प्रकोप आदि कई रूप दिखाये गये ।



महर्षि विद्या मन्दिर-1 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-1 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-2 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-2 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-4 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-4 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर मंडला



महर्षि विद्या मन्दिर मंडला



महर्षि विद्या मन्दिर सुल्तानपुर



महर्षि विद्या मन्दिर सुल्तानपुर



महर्षि विद्या मन्दिर सिवनी



महर्षि विद्या मन्दिर सिवनी



महर्षि विद्या मन्दिर नैनी-2, प्रयागराज



महर्षि विद्या मन्दिर नैनी-2, प्रयागराज



महर्षि विद्या मन्दिर-3, छतरपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-3, छतरपुर



महर्षि विद्या मन्दिर छिंदवाड़ा



महर्षि विद्या मन्दिर छिंदवाड़ा



महर्षि विद्या मन्दिर शहडोल



महर्षि विद्या मन्दिर शहडोल



महर्षि विद्या मन्दिर मैहर



महर्षि विद्या मन्दिर मैहर

महर्षि संस्थान में श्री गणेश चुतुर्थी का आयोजन



श्री गणेश चतुर्थी के पावन पर्व के अवसर पर मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम में महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी के नेतृत्व में भगवान श्रीगणेश जी की स्थापना कर वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूर्ण विधि-विधान के साथ पूजा की गई। श्रीगणेश चतुर्थी महोत्सव का आयोजन महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम, महर्षि विश्व शांति आंदोलन और महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह द्वारा 14 से 25 सितम्बर अनंत चतुर्दशी के दिन तक किया गया।

इस अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने श्रीगणेश चतुर्थी के महत्व को बतलाते हुये कहा कि ''भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र गणेश जी का जन्म जिस दिन हुआ था, उस दिन भाद्र मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी थी इसलिए इस दिन को गणेश चतुर्थी और विनायक चतुर्थी नाम दिया गया। इस दिन भगवान गणेश के पूजन से घर में सुख समृद्धि और वृद्धि आती है।''

इस दस दिवसीय श्रीगणेश चतुर्थी महोत्सव की पूर्णता 25 सितम्बर को श्रीअनंत चुतर्दशी के दिन भगवान श्रीगणेश जी की प्रतिमा के विसर्जन के साथ हुई जिसमें महर्षि संस्थानों के सदस्यों एवं स्थानीय ग्राम वासियों ने भाग लिया। साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने इस कार्यक्रम को ***www.ramrajtv.com*** और ***Ramrajtv YouTube*** चैनल के माध्यम से ऑनलाईन भी देखा।





महर्षि संस्थान में श्री विश्वकर्मा जयंती का आयोजन



महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह एवं महर्षि विश्व शांति आंदोलन के संयुक्त के तत्वावधान में श्री विश्वकर्मा जयंती महोत्सव का आयोजन 17 सितम्बर को स्वामी गुरुदेव ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम, भोपाल में श्रद्धा उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी द्वारा किया गया।

भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि के महान शिल्पकार एवं दिव्य वास्तुकार के रूप में स्मरण करते हुए विधिवत पूजन एवं प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने भगवान विश्वकर्मा से प्रार्थना की कि उनकी दिव्य कृपा से समाज में रचनात्मकता, कौशल, समृद्धि और विकास की भावना निरंतर प्रबल होती रहे।

इस अवसर पर ब्रह्मचारी गिरीश जी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि भगवान विश्वकर्मा केवल निर्माण एवं शिल्प के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे ज्ञान, सृजनात्मकता, उत्कृष्टता और सुव्यवस्थित विकास की चेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र और समाज की प्रगति उसके लोगों के ज्ञान, कौशल, परिश्रम और रचनात्मक दृष्टिकोण पर निर्भर करती है। जब ज्ञान के साथ कर्म और कौशल का समन्वय होता है, तब व्यक्ति अपने जीवन के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

इस कार्यक्रम में महर्षि संस्थानों के सदस्यों ने भाग लिया। साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने इस कार्यक्रम को ***www.ramrajtv.com*** और ***Ramrajtv YouTube*** चैनल के माध्यम से ऑनलाईन भी देखा।







महर्षि संस्थान में श्री अनंत चतुर्दशी महोत्सव

श्री अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर दिनांक 25 सितम्बर 2026 को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम में महर्षि विश्व शांति आंदोलन के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी के नेतृत्व में भगवान अनंत (विष्णु) जी का वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूर्ण विधि-विधान के साथ पूजन किया गया। यह समारोह महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम, महर्षि विश्व शांति आंदोलन और महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह द्वारा उत्साह पूर्वक आयोजित किया गया।

इस अवसर पर महर्षि विश्व शांति आंदोलन के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि "हम सभी भाग्यशाली हैं कि वर्ष भर इतने सारे वैदिक उत्सव होते हैं, जहाँ हमें विभिन्न देवी-देवताओं की पूजा करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करके अपने जीवन को सफलता और आनंद के साथ जीने का अवसर प्राप्त होता है। किसी अन्य संस्कृति और परंपरा में अपनी आत्म चेतना के जागरण के ऐसे स्वर्णिम अवसर उपलब्ध नहीं हैं। केवल सनातनियों को ही प्रकृति का यह आशीर्वाद प्राप्त है।"

उपरोक्त पूजन के अतिरिक्त इस दस दिवसीय श्रीगणेश चतुर्थी महोत्सव का समापन श्री अनंत चुतर्दशी के दिन भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा के विसर्जन के साथ हुआ जिसमें महर्षि संस्थानों के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने इस कार्यक्रम को ***www.ramrajtv.com*** और ***Ramrajtv YouTube*** चैनल के माध्यम से ऑनलाईन भी देखा।







महर्षि किड्स होम विद्यालयों के वार्षिक महर्षि राष्ट्रीय सांस्कृतिक समारोह का रंगारंग आयोजन

दिनांक : 18 एवं 19 सितम्बर 2026

महर्षि किड्स होमस् के दो दिवसीय वार्षिक राष्ट्रीय सांस्कृतिक समारोह का रंगारंग शुभारंभ भोपाल में 18 एवं 19 सितम्बर 2026 को महर्षि किड्स होम अयोध्या नगर में हुआ। इस समारोह का शुभारंभ श्री गुरु परम्परा पूजन के साथ हुआ। तत्पश्चात महर्षि किड्स होम अयोध्या नगर, भोपाल के नन्हें मुन्नें बच्चों ने ''स्वागतम–स्वागतम'' के बोल पर स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के महर्षि किड्स होम में शिक्षा ग्रहण करने वाले 700 नन्हें मुन्ने बच्चे अनेक स्पर्धाओं में ऑनलाइन सम्मिलित हुये। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दो दिनों में बच्चों द्वारा समूह नृत्य, एकल नृत्य, समूह गीत, कविता पाठ, फैंसी ड्रेस, चित्र कला आदि के पूर्व में प्राप्त वीडियो निर्णायक गणों के समक्ष प्रस्तुत किये गये जिसमें विद्यार्थियों द्वारा अपने कौशल का प्रदर्शन किया गया। निर्णायक गणों एवं दर्शकों ने इन प्रदर्शनों की भूरी–भूरी प्रसंशा की। इसके लिए किलकारी (कक्षा नर्सरी), नटखट (कक्षा केजी–1) एवं फुलवारी (कक्षा केजी–2) समूह बनाए गए थे।

द्वितीय दिवस 19 सितंबर को समापन समारोह में



महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। ब्रह्मचारी गिरीश जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि "भारतवर्ष असीमित सम्भावनाओं का क्षेत्र है। महर्षि वेद विज्ञान की शिक्षा, भावातीत ध्यान का नित्य अभ्यास और साधना क्रम इन विद्यार्थिओं को सर्व समर्थ, सर्व शक्तिमान, प्रबुद्ध बनाएगा और इन्हें विश्वव्यापी अजेयता प्रदान करेगा। इन नन्हें मुन्नें विद्यार्थिओं को बहुत संभालकर रखने और भारतीय वैदिक शाश्वत सनातन ज्ञान विज्ञान और परंपरा में बाल्यकाल से ही प्रशिक्षित और संस्कारित करने की आवश्यकता है। हमारे ये विद्यार्थी केवल भारत के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व के उज्जवल भविष्य का





आधार हैं। भारत के ये छोटे बच्चे विश्व के लिए बड़े बड़े कार्य करने में सक्षम होंगे।''

उन्होंने शिक्षकों को धन्यवाद और साधुवाद देते हुए उनका आवाहन किया कि ''वे भारत की इस बहुमूल्य धरोहर को संभालने, सवारने और इनके समुचित विकास के इस महादायित्व का बहुत सावधानी और लगन से निर्वहन करें। विश्व भारतीय शिक्षकों का सदा ऋणी रहेगा। विद्यालय और घर की संस्कृति अलग–अलग होती है और इसके लिए आप सभी को बच्चों में विद्यालय और घर की संस्कृति के मध्य संतुलन बनाये रखना होता है। संस्कारों की शिक्षा देते समय अभिभावकों को भी सम्मिलित किए जाने की आवश्यकता होती है। इसलिए विद्यालय और घर की प्रतिदिन की जीवनचर्या में सामंजस्य बनाना अत्यंत आवश्यक है।''

विजेताओं को महर्षि शैक्षणिक संस्थान समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने बधाई दी और पुरुस्कार प्रदान किये। इस अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के निदेशक संचार एवं जनसंपर्क श्री व्ही. आर. खरे, संयुक्त निदेशिका श्रीमती आर्या नंद कुमार एवं महर्षि किड्स होम अयोध्या नगर की प्राचार्या श्रीमती अंजली सिंह कुशवाहा उपस्थित थीं।

इस संपूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण रामराज टीवी ***www.ramrajtv.com*** और उसके यूट्यूब एवं फेसबुक चैनलों पर भी किया गया।

Photographs of MKH-NCC















Maharishi National Cultural Celebration

For Sub-Junior Group (22 & 23 September 2026)



Maharishi National Cultural Celebration for the Sub-Junior Group (students from class I to V) of Maharishi Vidya Mandir Schools got completed with great enthusiasm at the Maharishi Centre for Educational Excellence, Bhopal on 22 & 23 September 2026. The celebration brought together young talents from Maharishi Vidya Mandir Schools across the country, providing them a vibrant platform to express their creativity, confidence and cultural excellence.

Students participated enthusiastically in Solo Dance, Group Dance, Fancy Dress, Group Singing, Ramcharitmanas and Bhagavad Gita Recitation, and Painting competitions. Their performances reflected remarkable talent, discipline and an appreciation of India's rich cultural heritage.

In his online message Hon'ble Chairman MVM Schools Group Brahmachari Girish Ji conveyed his best wishes for all the participants. He told them that "participation is important, winning & loosing is secondary. This consolidates the inner strength of everyone and makes him/her competent to face any type of challenge in the future life."



In the Lotus group (students of class I & II), Maharishi Vidya Mandir, Ratanpur, Bhopal, secured first position in Solo Dance, while Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamali topped the Fancy Dress Competition. Maharishi Vidya Mandir, Guwahati, Lalmati, emerged first in Group Singing, while Maharishi Vidya Mandir, Hyderabad, secured first position in Ramcharitmanas and Bhagavad Gita Recitation. Maharishi Vidya Mandir, Napier Town, Jabalpur, secured the top position in Painting.

In the Merrigold group (students from class III & V), Maharishi Vidya



Mandir, Hyderabad, secured first position in Group Dance as well as Ramcharitmanas and Bhagavad Gita Recitation. Maharishi Vidya Mandir, Gota Nagar, topped Solo Dance, Maharishi Vidya Mandir, Guwahati, secured first position in Group Singing and Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur, emerged first in Painting. The runners-up in the respective competitions also demonstrated commendable talent and dedication.

The winners and runners-up were felicitated with prizes and certificates by Prof. Bhuvanesh Sharma, former Vice-Chancellor, Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya Jabalpur, Shri V. R. Khare, Director, Communications & Public Relations, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, Smt. Arya Nand Kumar, Joint Director, Maharishi Vidya Mandir Schools Group.













Shri V. R. Khare announced that the certificates & prizes of winners & runner-ups of this competition will be distributed by Hon'ble Chairman MVM Schools Group on 26th October 2026 - the day of completion of MNCC-2026.

The concluding ceremony was graced by the presence of directors and senior officials of Maharishi institutions, teachers, staff members, students and parents, whose participation added dignity and warmth to the occasion. The celebration was completed by enthusiastic chanting of National Anthem.



International Day of World Peace

21 September 2026

With the Divine blessing of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji and under the guidance of Hon'ble Chairman of Maharishi Vidya Mandir Schools Group, Brahmachari Girish Ji, the 'International Day of Peace' was celebrated in all MVM Schools and in other Maharishi Institutions with great enthusiasm and fervor. The main celebration was organised at National Office MCEE Campus, Bhopal.



On this occasion Chairman of Maharishi Educational Institutions Group, Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji said that "unless there is purity in the consciousness of the Self leading to peace within oneself, how can there be peace in nations and the world. Today we are in dire need of spiritual peace, cosmic or divine peace and mental peace. We are celebrating the International Day of Peace. Our body is made up of five elements. We include even air and vegetation in the Vedic Shanti Path. In our Vedic system, there are Vedic Suktas for Earth, Fire, Water, Space and Air. We work for peace of the five elements. Just as every tree must have strong roots, the Banyan tree of peace must be so strong that even a global upheavals or shocks cannot create unrest. The peace we talk about is possible only through positivity. However due to negativity prevailing everywhere in the World, it is surprising fact that over 3,000 treaties have been signed worldwide for world peace, but they have all been broken or rendered ineffective. There is no peace and harmony between nations. We all need to come together to dispel the darkness of unrest by bringing light."



Prof. Bhuvanesh Sharma, former Vice Chancellor of Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, said that "world peace begins with our Shanti Path. The United Nations has chosen "Sustainable Development " as its theme this year. We believe that the goal of sustainable development can be achieved through Vedic knowledge because Vedic knowledge does not cause any harm. Therefore, we are watering the roots so that the tree of world peace can become strong throughout the world." Professor Sharma said that Satoguna, Rajoguna, and Tamoguna are all important in the functioning of the universe, but coordination and balance in their quantities is very important. Therefore, we believe that only Vedic

knowledge can pave the way for world peace."

Shri V. R. Khare, Director of Communications and Public Relations of Maharishi Vidya Mandir Schools Group, said that "Maharishi Ji had dedicated his entire life for world peace. Inspired by him, Brahmachari Girish Ji has carried forward the same tradition by establishing Maharishi World Peace Movement in 2008 and still implementing many programmes and projects for upliftment of the people specially the poor ones so that prosperity & peace prevail in their life."

After this, Shri V. R. Khare administered the Oath to all present on this day.

The programme began with Guru Poojan and Shanti Path, as per the tradition of Maharishi Sansthan. After this, Ram Vinod Gaur, National Coordinator of Transcendental Meditation and TM-Siddhi programme, led all those present to to practice Pranayama and group TM. Students from MCEE Bhopal expressed their views on world peace and commitment to peace.

Jai Gurudev, Jai Maharishi

World Peace Day Celebration at MVM Schools



Maharishi Vidya Mandir, Mankapur



Maharishi Vidya Mandir-VI, Jabalpur



Maharishi Vidya Mandir, Hyderabad



Maharishi Vidya Mandir, Hyderabad



Maharishi Vidya Mandir-II, Jabalpur



Maharishi Vidya Mandir-II, Jabalpur

International World Peace Day Photographs



Maharishi Vidya Mandir-V, Jabalpur



Maharishi Vidya Mandir-V, Jabalpur



Maharishi Vidya Mandir, Jammu



Maharishi Vidya Mandir, Jammu



Maharishi Vidya Mandir, Khatima



Maharishi Vidya Mandir, Khatima



Maharishi Vidya Mandir, Hamirpur



Maharishi Vidya Mandir, Hamirpur

International World Peace Day Photographs



Maharishi Vidya Mandir, Trilanga Bhopal



Maharishi Vidya Mandir, Trilanga Bhopal



Maharishi Vidya Mandir, Sultanpur



Maharishi Vidya Mandir, Sultanpur



Maharishi Vidya Mandir, Naini Prayagraj



Maharishi Vidya Mandir, Naini Prayagraj



Maharishi Vidya Mandir, Tumsar



Maharishi Vidya Mandir, Tumsar

Academic & Co-curricular events of Maharishi Vidya Mandir Schools

Maharishi Vidya Mandir-IV, Guwahati



Dechita Hazarika, an alumni of Maharishi Vidya Mandir School, Guwahati-VI, Rajgarh, brought laurels to her alma mater by securing Second Position in the **U-21 category at the IFA World Arm wrestling Championship held in Japan**.

Her outstanding achievement is a matter of great pride for Maharishi Vidya Mandir Schools Group and will serve as an inspiration to young students to pursue excellence in sports and other fields.

Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur

Students **Abhinav Singh, Prakhar Verma, and Kavya Mishra of Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur,** brought great honour to their school by securing **First, Second, and Third Positions**, respectively, in the Sanskrit Song Competition organised by the **Sanskrit Department, Government of Uttar Pradesh.**

Their outstanding achievement reflects their dedication, talent, and deep appreciation for the Sanskrit language and India's rich cultural heritage. The accomplishment is a matter of immense pride for the school and the **Maharishi Vidya Mandir Schools Group.**



Maharishi Vidya Mandir, Shahdol



Veera Pandey, a student of **Maharishi Vidya Mandir, Shahdol**, has been selected for the **Under-17 State Chess Team**. This notable achievement reflects her dedication, perseverance, and growing excellence in the sport of chess.

Her selection is a matter of pride for the school and the Maharishi Vidya Mandir Schools Group, and serves as an inspiration for fellow students to pursue excellence in sports.

Maharishi Vidya Mandir, Mandla



Maharishi Vidya Mandir, Mandla proudly congratulates its two talented archers, **Akshat Kushwaha and Shoury Nanda,** on their outstanding performances and selection for the State-Level Archery tournament.

Akshat Kushwaha secured 1st Rank in Under-14 Indian Round (Boys), while **Shoury Nanda** achieved 3rd Rank in Under-17 Recurve (Boys) category.

Their impressive achievements are a matter of pride for the school and reflect their dedication, perseverance, and sporting excellence.

Maharishi Vidya Mandir, Thanjavur





Students of Maharishi Vidya Mandir School, Thanjavur, delivered an outstanding performance at the **CBSE Cluster Level Archery Championship 2026**.

T. S. Shana and R. Ranjan, both students of Class X, secured Gold and Silver Medals, respectively. Their impressive performances also earned them qualification for the CBSE National Level Competition.

Their achievement is a matter of great pride for the school and reflects their dedication, discipline, and excellence in sports.

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, महर्षि विद्या मन्दिर छतरपुर





Maharishi Vidya Mandir, Naini Prayagraj

M.V.M. Naini Students Excel in Indian Classical Music at Mandal-Level Competition

Students of Maharishi Vidya Mandir (M.V.M.), Naini Prayagraj, brought great pride and distinction to the school with their outstanding performances in Indian Classical Music at the Mandal-Level Competition held at St. Anthony Convent Girls Inter College.

Satvik Singh of Class IX-B secured First Position in Classical Vocal, while Kartikey Dwivedi of Class XI-A2 won First Position in Tabla. Kautubh Tripathi of Class IX-D secured Second Position in Flute, showcasing remarkable musical talent and dedication.

The Principal, Smt.. Geeta Arora, warmly congratulated the students and their mentor, Smt. Pratima Tripathi, for their commendable achievement. She appreciated their sincere efforts and encouraged them to continue participating in such cultural and co-curricular events to achieve greater milestones and bring further laurels to the school.

The achievement reflects the students' dedication, talent and the school's continued encouragement of Indian classical music and cultural excellence.







News Clippings

राष्ट्र को समर्पित
द वायरल
www.theviralpatrika.com
RNI NO. : MPBIL/2021/86583
दैनिक डिजिटल संस्करण

सम्पर्क :
राकेश झा
8319764345
कपिल वर्मा
9424917797

द वायरल। डिजिटल एडिशन
अब आपकी खबरें
सिर्फ 5 मिनट में
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
9424917797 | 9826613003

28 सितंबर 2026। मध्यप्रदेश। छत्तीसगढ़ | नई दिल्ली। राजस्थान। असम। उत्तरप्रदेश

द वायरल। वुशू में हर्ष बनवाला ने बढ़ाया महर्षि विद्या मंदिर का मान, राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन



डॉ.कपिल वर्मा। 9424917797



द वायरल। दैनिक डिजिटल एडिशन

द वायरल। मंडला। महर्षि विद्या मंदिर, मंडला के कक्षा 9वीं के होनहार छात्र हर्ष बनवाला ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास के दम पर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। वुशू (Wushu) खेल में शानदार प्रदर्शन करते हुए हर्ष का राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है।

हर्ष ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पहले जिला स्तर पर सफलता हासिल की। इसके बाद राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। राज्य स्तर पर शानदार प्रदर्शन के आधार पर अब उनका चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

अपनी इस उपलब्धि पर हर्ष ने कहा कि सफलता के पीछे निरंतर अभ्यास, मेहनत और अनुशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन को देते हुए विशेष रूप से पिता जगविंदर सिंह और माता रेशमा मार्को के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

हर्ष की उपलब्धि पर महर्षि विद्या मंदिर के प्राचार्य श्रीकांत सोनी ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हर्ष की सफलता विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और मंडला का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

हर्ष के राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन से विद्यालय परिवार और परिजनों में हर्ष का माहौल है। समस्त महर्षि विद्या मंदिर परिवार ने हर्ष बनवाला को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

चाहें तो इसे द वायरल की शैली में और ज्यादा दमदार शीर्षक व सारांश-हैशटैग के साथ भी तैयार कर सकता हूं।



महर्षि विद्या मंदिर में चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता, विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

जबलपुर, डेली बेधड़क। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महर्षि विद्या मंदिर, 50 नर्मदा रोड, जबलपुर में विद्यालय स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जबलपुर के मार्गदर्शन तथा सुश्री कुसुम चौबे (आईसीएसआई, जबलपुर) के समन्वय में संपन्न हुआ। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक सोच, प्रतिभा और वाक-कौशल का प्रदर्शन किया। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता को रंगों के माध्यम से प्रस्तुत किया, वहीं भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ अपने विचार रखे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों में प्रतिभा निखारने के साथ-साथ आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सेवा भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। आयोजन ने शिक्षा विभाग की ओर से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उनमें रचनात्मकता व सेवा भाव को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।

महर्षि विद्या मंदिर मैहर के छात्रों ने किया शिक्षकों का सम्मान



मैहर, जबलपुर एक्सप्रेस। महर्षि विद्या मंदिर मैहर में डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर शिक्षक दिवस समारोह विद्यार्थियों द्वारा गरिमामय पूर्वक मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार सिंह परिहार द्वारा मांता शारदा एवं सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम कि शुरुआत की। विद्यालय के छात्र समिति के अध्यक्ष प्रक्ल नामदेव ने प्राचार्य का माल्यार्पण एवं उपहार दे आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात छात्र समिति के उपाध्यक्ष शौर्य शर्मा एवं सह सचिव भव्या गंगवानी एवं अन्य विद्यार्थियों द्वारा सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का रोली टीका एवं पुष्पगुच्छ और उपहार देकर सम्मान किया। विद्यार्थियो द्वारा स्वागत गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भाषण के माध्यम से शिक्षक दिवस मनाने की सार्थकता को बताया। अंत में प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियो को आशीर्वचन में कहा कि शिक्षकों का सही सम्मान तभी होगा जब विद्यार्थी उनके बताए गए मार्ग पर चल कर आपने भविष्य में एक अच्छा नागरिक बनकर आपने मांता पिता के सपनो को पूरा करने में ईमानदारी से मेहनत करें।

News Clippings

महर्षि विद्या मंदिर में हर्षोल्लास से मनाया शिक्षक दिवस

शिक्षकों का हुआ सम्मान, छात्रों ने दी कार्यक्रमों की प्रस्तुति



नवभारत, शहडोल। महर्षि विद्या मंदिर, शहडोल में शनिवार को पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य डॉ. भावना तिवारी ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके पश्चात विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मणिराज पटेल ने सुमधुर गीत की प्रस्तुति देकर वातावरण को संगीतमय बना दिया। वहीं शिक्षक अभिषेक सोनी ने गजल अंदाज में गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। उनकी प्रस्तुति में संगीत शिक्षक अरुण सेन ने तबले पर संगत की। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य द्वारा विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर शिक्षकों में उत्साह और प्रसन्नता का माहौल रहा।

Students of MVM Naini, exceled in the district-level Art Festival

JEEVAN EXPRESS NEWS



PRAYAGARAJ: Students from Maharishi Vidya Mandir Naini excelled in the district-level Art Festival, bringing laurels to the school by winning awards in various disciplines. Forty-two students participated enthusiastically in the competition, showcasing their talent and creativity.

This event was organized by the District Project Office of Samagra Shiksha (Secondary), Uttar Pradesh, at St. Anthony's Convent Girls' Inter College. Satvik Singh won first place in solo song, Kartikay Dwivedi won first place in percussion instruments, and Kaustubh Tripathi won first place in flute. Kartikay, Satvik, Kaustubh, and Aaradhya showcased their talents and secured first places in group instruments. Similerly, Vanshika Shrivas won second place in solo dance, and Shruti Dubey, Avni, and Aastha Singh won second [illegible] in group singing. Principal Mrs. Geeta Arora congratulated the winning participants and wished them a bright future.



Scan the QR code to download the
e-newsletter and online subscription

e-Gyan

Monthly Digital Newsletter of Maharishi World

www.e-gyaan.net

Copyright © 2026 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan

All rights reserved. No part of e-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of Maharishi Ved Vigyan Prakashan.

Maharishi Ved Vigyan Prakashan, Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh,
Phone: +91 755 4087351

